Chap 6: खुली अर्थव्यवस्था (Open Economy)

हम पढ़ेंगे:

विदेशी विनिमय दर - अर्थ, प्रकार, गुण एवं दोष, स्थिर विनिमय दर, परिवर्तनशील विनिमय दर, प्रबंधित तैरती विनिमय दर, विदेशी विनिमय बाजार, भुगतान संतुलन- अर्थ, विशेषताएं एवं घटक, भुगतान संतुलन का चालू खाता एवं पूंजी खाता

विदेशी विनिमय दर (Foreign Exchange Rate)

अर्थ

वह दर जिस पर मुद्रा का दूसरी मुद्रा में विनिमय किया जाता है उसकी विनिमय दर कहलाती है।

परिभाषा:

क्राउथर के अनुसार, "विनिमय दर एक देश की इकाई मुद्रा के बदले दूसरे देश की मुद्रा की मिलने वाली इकाइयों का माप है"।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उदाहरण:

$1 = ₹83.37

1 Japanese Yen = 0.58 Indian Rupee

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगेl

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर I अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीचl

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया हैl

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध हैl

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

अनुकूल और प्रतिकूल विनिमय दरें

विनिमय दर का अनुकूल और प्रतिकूल होना दो स्थितियों में बताया जा सकता है।

स्वदेशी मुद्रा में एवं विदेशी मुद्रा में:

स्वदेशी मुद्रा में:

जब विनिमय दर अपनी मुद्रा में व्यक्त की जाती है तो गिरती हुई विनिमय दर हमारे अनुकूल होगी और बढ़ती हुई विनिमय दर हमारे प्रतिकूल होगी।

उदाहरण:

अनुकूल

$1 = ₹70 से $1 = ₹68

प्रतिकूल

$1 = ₹70 से $1 = ₹72

विदेशी मुद्रा में:

जब विनिमय दर विदेश की मुद्रा में प्रकट की जाती है तो बढ़ती हुई विनिमय दर स्वदेश के पक्ष में होगी तथा गिरती हुई विनिमय दर स्वदेश के विपक्ष में होगी।

उदाहरण:

अनुकूल

₹1 = $0.32 से ₹1 = $0.35

प्रतिकूल

₹1 = $0.32 से ₹1 = $0.30

THE ECONOMICS GURU

विनिमय दर की प्रणालियों या प्रकार

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

विनिमय दर के निर्धारण करने के लिए प्रमुखता तीन प्रणालियां प्रचलित है:

- स्थिर विनिमय दर प्रणाली
- लोचशील विनिमय दर प्रणाली
- प्रबन्धित तरणशीलता

स्थिर विनिमय दर प्रणाली:

जब एक देश की सरकार अपनी मुद्रा का मूल्य दूसरे देश की मुद्रा में निश्चित कर देता है और इस निर्धारित मूल्य को स्थिर रखा जाता है अर्थात सरकार द्वारा निर्धारित विनिमय दर को परिवर्तित नहीं किया जा सकता तो इसे स्थिर विनिमय दर प्रणाली या निश्चित विनिमय दर कहा जाता है।

स्थिर विनिमय दर प्रणाली के दो प्रमुख चर है:

- विनिमय दर की स्वर्णमान प्रणाली
- विनिमय दर की ब्रिटेन वुड्स प्रणाली:

विनिमय दर की स्वर्णमान प्रणाली

इस प्रणाली के अनुसार विभिन्न देशों की मुद्रा के प्रभाव में सोने को विनिमय की इकाई के रूप में प्रयोग किया जाता था।

यह प्रणाली अधिकांश देशों में 1870 से 1914 तक प्रचलन में थी।

इसके अंतर्गत प्रत्येक देश की मुद्रा के मूल्य को सोने के रूप में परिभाषित किया जाता था।

विनिमय दर की ब्रिटेन वुड्स प्रणाली:

1944 में ब्रिटेन वुड्स सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की स्थापना हुई तथा स्थिर विनिमय दर प्रणाली की भी पुनर्स्थापना की गई यह प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय स्वर्णमान प्रणाली से भिन्नता जिसमें राष्ट्रीय करेंसी को परिवर्तनीय बनाया गया।

इसके अंतर्गत करेंसियों की परिवर्तनीयता के लिए द्विस्तरीय प्रणाली की स्थापना की गई जिसके केंद्र में डॉलर को रखा गया।

संयुक्त राज्य अमेरिका के मौद्रिक प्राधिकरण के दौरान ***35 डॉलर प्रति आउंस*** सोने की निश्चित दर पर डॉलर के सोने में परिवर्तनीयता की गारंटी प्रदान की गई।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

स्थिर विनिमय दर के गुण:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि (Increase in International Trade)
- विदेशी पूंजी को प्रोत्साहन (Encouragement to Foreign Capital)
- पूंजी निर्माण में वृद्धि (Increase in Capital Formation)
- आर्थिक नियोजन (Economic Planning)
- तीव्र आर्थिक विकास (Rapid Economic Growth)
- भुगतान संतुलन बनाए रखने में सहायक (Helpful in Maintaining Balance of Payments)
- आर्थिक स्थिरता लाने में सहायक (Helpful in Bringing Stability)

स्थिर विनिमय दर के दोष:

- राष्ट्रीय हितों की अवहेलना (Neglect of National Interest)
- अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण (Control on Other Sectors)
- विनिमय दर में अत्यधिक उच्चावचन (High Fluctuation in Exchange Rates)

लोचदार या लोचशील विनिमय दर प्रणाली

लोचशील विनिमय दर प्रणाली में विनिमय दर विदेशी मुद्रा बाजारों में विदेशी मुद्रा की मांग एवं आपूर्ति द्वारा निर्धारित होती है तथा एवं आपूर्ति के परिवर्तनों के साथ बदलती रहती है।

अतः यह कहा जा सकता है कि,

$$R = f(D, S)$$

लोचदार विनिमय दर प्रणाली के गुण

- सरल प्रणाली (Simple System)
- सतत समायोजन (Continuous Adjustment)
- आरक्षित कोषों की अनिवार्यता में कमी (Lesser Requirement of Reserve Funds)
- संसाधनों का कुशलतम उपयोग (Efficient Utilisation of Resources)

लोचशील विनिमय दर प्रणाली के दोष:

- निम्न लोच (Less Elastic)
- अनिश्चित उत्पन्न करती है (Create Uncertainty)
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अस्थिरता (Instability in International Trade)

लोचपूर्ण विनिमय दर का निर्धारण
(Determination of Flexible Exchange Rate)

जिस प्रकार से वस्तु की कीमत बाजार में मांग व् पूर्ति की शक्तियों द्वारा मिर्धरिओत होती है, उसी प्रकार विनिमय दर भी विदेशी विनिमय बाजार में मांग व् पूर्ति के द्वारा ही निर्धारित होती है ।

- ➢ जब विदेशी विनिमय में भुगतान किया जाता है तो उस देश द्वारा विदेशी विनिमय की मांग की जाती है ।
- ➢ इसी तरह जब विदेशी विनिमय की प्राप्तियां प्राप्त होती है तो उस देश में विदेशी विनिमय की पूर्ति होती है ।

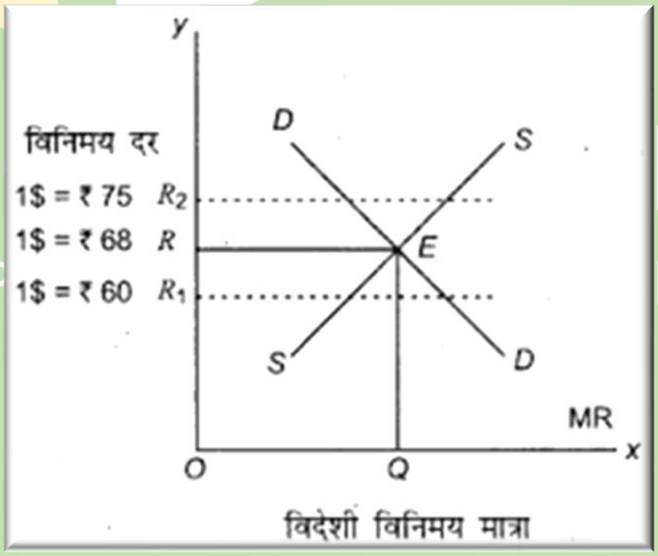

विदेशी विनिमय की मांग:

- विदेशों से वस्तुओं व् सेवाओं का आयात
- विदेशों में निवेश
- विदेशों में भेंट उपहार योजना
- विदेशी मुद्राओं के मूल्य पर सट्टा
- अंतर्राष्ट्रीय सौदों से सम्बन्धित अन्य भुगतान

विदेशी विनिमय की पूर्ति:

- विदेशी को वस्तुओं व् सेवाओं का निर्यात
- गृह देश में विदेशियों द्वारा निवेश
- शेष संसार से उपहार या भेंट प्राप्त करना
- विदेशी विनिमय के सौदागरों एवं सट्टा करने वालों के कारण
- अंतर्राष्ट्रीय सौदों से सम्बन्धित अन्य प्राप्तियां

प्रबंधित फ्लोटिंग विनिमय दर प्रणाली:

प्रबंधित फ्लोटिंग विनिमय दर प्रणाली निश्चित (प्रबंधित) और फ्लोटिंग विनिमय दर प्रणालियों का संयोजन है। इस प्रणाली के तहत केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्राओं की खरीद या बिक्री में हस्तक्षेप करते हैं या भाग लेते हैं।

विदेशी विनिमय बाजार (Foreign Exchange Market)

वह बाजार जिसमे संसार के विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं का लेन देन (क्रय - विक्रय) किया जाता है ।

यह विदेशी मुद्रा की खरीद व् बिक्री का एक संस्थागत प्रबंध है ।

विदेशी मुद्रा बाज़ार के कार्य

- **स्थानांतरण कार्य:**

विदेशी मुद्रा बाजार का मूल और सबसे स्पष्ट कार्य अपने भुगतानों को निपटाने के लिए धन या विदेशी मुद्राओं को एक देश से दूसरे देश में स्थानांतरित करना है।

क्रेडिट फ़ंक्शन:

विदेशी मुद्रा विभिन्न देशों से वस्तुओं और सेवाओं के सुचारू प्रवाह को सुविधाजनक बनाने के लिए आयातकों को अल्पकालिक ऋण प्रदान करता है।

- **हेजिंग कार्य:**

विदेशी मुद्रा बाजार का तीसरा कार्य विदेशी मुद्रा जोखिमों को हेज करना है।

विदेशी मुद्रा बाज़ार की विशेषताएं

1. **उच्च तरलता**विदेशी मुद्रा बाजार पूरी दुनिया में सबसे आसानी से द्रवीकृत होने वाला वित्तीय बाजार है। इसमें दुनिया भर की विभिन्न मुद्राओं का व्यापार शामिल है।

2. **बाज़ार पारदर्शिता**

इस बाज़ार में काफ़ी स्पष्टता है. विदेशी मुद्रा बाजार में व्यापारियों के पास सभी बाजार डेटा और सूचनाओं तक पूरी पहुंच है।

3. **गतिशील बाज़ार**

इन बाज़ारों में मुद्रा का मूल्य हर सेकंड और घंटे में बदलता रहता है।

4. **24 घंटे काम करता है**

विदेशी मुद्रा बाज़ार चौबीसों घंटे कार्य करता है। यह व्यापारियों को किसी भी समय व्यापार करने की संभावना प्रदान करता है।

विदेशी विनिमय बाजार की कार्य पद्धति (विदेशी विनिमय बाजार के प्रकार):

हाजिर (चालू) बाजार:

इस बाजार में केवल चालू या हाजिर लेन देन होते है । इस बाजार का भविष्य के लेंन देन से कोई सम्बन्ध नहीं होता है ।

वायदा बाजार:

वह बाजार जिसमे भविष्य में किसी तिथि पर पूरे होने वाले लेन देन का कारोबार होता है ।

भुगतान संतुलन (Balance of Payments)

अर्थ:

भुगतान संतुलन एक देश का दूसरे देश के साथ एक निश्चित अवधि में किए गए आर्थिक लेनदेन या प्राप्तियां व भुगतानों का विवरण होता है।

परिभाषाएं:

बेन्हम के अनुसार, "एक देश का भुगतान संतुलन एक निश्चित अवधि के भीतर उसका बाकी विश्व के साथ मौद्रिक सौदों का लेखा होता है"।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

भुगतान संतुलन के आर्थिक सौदे (Economic Transactions of BOP)

दृश्य मदें (Visible Goods):- समस्त भौतिक वस्तुएं जो किसी पदार्थ से बनी होती है। जैसे - खाद्य सामग्री, मशीनरी, इलेक्ट्रिक सामान आदि

अदृश्य मदें (Invisible Goods):- सभी सेवाएं जिनका भौतिक अस्तित्व नहीं होता है अर्थात किसी पदार्थ की नही बनी होती है। जैसे - बीमा, बैंकिंग, सॉफ्टवेयर आदि

पूंजी अंतरण (Capital Transfer):- पूंजीगत प्राप्तियों और भुगतानो को शामिल किया जाता है। जैसे- निवेश, ऋण आदि

भुगतान संतुलन की विशेषताएं:

- क्रमबद्ध लेखा रिकार्ड (Systematic Accounting Record)
- निश्चित समय अवधि (Fixed Period of Time)
- व्यापकता (Comprehensiveness)
- स्व: संतुलित (Self-balanced)
- दोहरी अंकन प्रणाली (Double Entry System)
- अंतर समायोजन (Adjustment of Differences)

भुगतान संतुलन की संरचना (Structure of Balance of Payments)

चालू खाता (Current Account)	पूंजी खाता (Capital Account)
1. दृश्य वस्तुओं का आयात निर्यात	1. निवेश
2. अदृश्य वस्तुओं का आयात निर्यात	2. ऋण
3. एक पक्षीय अंतरण	

चालू खाता (Current Account)

चालू खाता वह खाता है जिसमें वस्तुओं और सेवाओं के आयात और निर्यात एवं एकपक्षीय भुगतानों का हिसाब किताब रखा जाता है।

इसके अंतर्गत उन सभी लेने-देनो को शामिल करते हैं जो वर्तमान में वस्तुओं और सेवाओं के आयात निर्यात के लिए किये जाते हैं अर्थात इसके अंतर्गत केवल वास्तविक व्यवहार लिखे जाते हैं।

चालू खाते की मदें (Components of Current Account):

व्यापार माल खाता (Merchandise Account): दृश्य वस्तुओं का आयात एवं निर्यात

अदृश्य खाता (Invisible Account) - सेवाओं के आयात एवं निर्यात - सेवाएं दो प्रकार की होती है - साधन सेवाएं - गैर साधन सेवाएं

एकपक्षीय अंतरण (Unilateral Transfers):

एक देश से दूसरे देश का एक तरफ किया जाने वाला अंतरण यह हस्तांतरण एकपक्षीय अंतरण के नाम से जाना जाता है।

जैसे: निजी अंतरण, चंदे, उपहार आदि।

पूंजी खाता (Capital Account)

वह खाता जो एक देश के निवासियों एवं शेष विश्व के निवासियों के द्वारा किए गए उन समस्त सौदों से संबंधित होता है जिसे किसी देश की सरकार और निवासियों की परिसंपत्तियों और दायित्वों में परिवर्तन होता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

पूंजी खाते की मदे:

- सरकारी सौदे
- गैर सरकारी या निजी सौदें
- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI)
- विदेशी संस्थागत निवेश / पोर्टफोलियो निवेश (FII/ PORTFOLIO Investment)

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE